यूटीयू डीप शिवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबाट करेगा विकसित

- कुलपति प्रो. ओंकार सिंह बोले- आयोजित की जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता
- 30 जुलाई तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं इच्छुक प्रतिभागी

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक बड़ी पहल करने जा रहा है। विश्वविद्यालय ने डीप शिवा नामक ओपन सोर्स एआइ चैटबाट विकसित करने की आधिकारिक घोषणा कर दी है।

यह निर्णय प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) की ओर से युवाओं को तकनीकी नवाचार में प्रेरित करने के आह्वान के बाद लिया गया है। डीप शिवा चैटबाट विकास के लिए आयोजित की जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uktech.ac.in पर उपलब्ध कराई गई है। इच्छुक प्रतिभागी आगामी 30 जुलाई तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में देश के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं की टीमें भाग लेंगी। ये टीमें कृषि, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन में से किसी एक क्षेत्र का चयन कर ओपन सोर्स एआइ आधारित चैटबाट का निर्माण करेंगी।

प्रतियोगिता चार चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में टीमों का चयन किया जाएगा। एक बार संभावित टीमों की अधिसूचना जारी हो जाने के बाद उसमें कोई बदलाव संभव नहीं होगा। चयनित टीमों को आवश्यकता पड़ने पर विवि की ओर से एक-एक मेंटर भी उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि, प्रोजेक्ट के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था संबंधित टीम को स्वयं करनी होगी। जरूरत पड़ने पर विश्वविद्यालय के एआइ आरएंडडी हब में सीमित संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

छात्र यहां कर सकते हैं संपर्क

प्रतियोगिता के संदर्भ में विश्वविद्यालय और प्रतिभागियों के बीच संवाद का एकमात्र माध्यम ईमेल deep-shiva@uktech.net.in रहेगा। किसी अन्य माध्यम से प्राप्त संवादों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पांच लाख रुपये तक के मिलेंगे पुरस्कार

प्रत्येक श्रेणी में चैटबाट माडल का मूल्यांकन शिक्षा और उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों की ओर से किया जाएगा। तीनों श्रेणियों कृषि, स्वास्थ्य और पर्यटन में संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों को क्रमश: पांच लाख, तीन लाख और दो लाख की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। विजेता टीमों को अपने माडल को उपयुक्त ओपन सोर्स लाइसेंस के अंतर्गत विवि को प्रस्तुत करना होगा।

तकनीकी नवाचार की दिशा में एक कदम

डीप शिवा परियोजना के माध्यम से यूटीयू न केवल छात्रों को एआइ नवाचार के लिए प्रेरित कर रहा है, बल्कि राज्य की कृषि, स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों में तकनीकी समाधान प्रस्तुत करने की दिशा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। विवि की यह पहल आने वाले समय में उत्तराखंड को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है।